मंगोलिया में भारतीय समुदाय के लिए आयोजित स्वागत समारोह में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

आज मुझे आप सभी से मिलकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। मुझे यह देखकर खुशी हुई कि आपकी संख्या यहाँ भले ही कम है लेकिन आपने अपनी ऊर्जा, उत्साह और संकल्प से यहाँ के जनजीवन में अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

भारत से हजारों मील दूर रहते हुए भी आपने अपनी संस्कृति को, अपने संस्कारों को जीवित रखा है। हम पूरे विश्व को एक परिवार मानते हैं, और इसी भावना से हम जहां भी रहते हैं, हम उस स्थान के विकास और समृद्धि के लिए काम करते हैं।

मंगोलिया और भारत के बीच अत्यंत घनिष्ठ संबंध हैं। हमारे सभ्यतागत और सांस्कृतिक संबंध सदियों पुराने हैं।

बौद्ध धर्म की हमारी साझी विरासत ने हमारे दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्कों को मजबूत बनाने का काम किया है। हमारे लिए यह गर्व का विषय है कि मंगोलिया हमें अपनी तीसरा पड़ोसी मानता है।

मंगोलिया के लोगों में भारत की सभ्यता और संस्कृति के प्रति गहरी रुचि है और आप यहाँ मंगोलिया में भारत के सांस्कृतिक दूत के रुप में काम कर रहे हैं। आप सभी ने अपनी कड़ी मेहनत, क्षमता और प्रतिभा से यहाँ अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। आपके कार्यों की वजह से आज इस देश में भारत का मान बढ़ा है।

वर्ष 2015 में माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की मंगोलिया यात्रा के बाद से हमारे द्विपक्षीय संबंधों और सुदृढ़ हुए हैं। हमारे संबंधों में एक नई ऊर्जा आई है। हमारी रणनीतिक साझेदारी और मजबूत हुई है।

बदलते भारत की तस्वीर आज दुनिया देख रही है। हमारे लोकतंत्र की इन 75 वर्षों की यात्रा में देश ने व्यापक सामाजिक आर्थिक विकास किया है।

आज हम विज्ञान, टेकनोलोजी, अन्य प्रोफेशनल क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह हमारे नौजवानों की बौद्धिक क्षमता, उनके रिसर्च, इनोवैशन की क्षमता के कारण ही संभव हुआ है।

आज भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर का अभूतपूर्व विकास हो रहा है। हमारा देश रिन्यूएबल एनर्जी और ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व कर रहा है। भारत का जनमानस प्रकृति को मात्र उपभोग की वस्तु नहीं मानता, बल्कि उसे अध्यात्म की दृष्टि से भी देखता है।

इसी दृष्टिकोण से काम करते हुए हम अपने देश में एक नए एवं मजबूत आर्थिक तंत्र का निर्माण कर रहे हैं जो पर्यावरण के अनुकूल है। और इसीलिए आज दुनिया के विकसित देश भी भारत में निवेश करने के लिए उत्सुक हैं। भारत ने विश्व में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। यह हमारे मजबूत नेतृत्व के कारण ही संभव हो पाया है। भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को आप यहाँ भी अनुभव कर रहे होंगे।

आज का भारत आकांक्षी भारत है, और इसी आकांक्षी भारत की तस्वीर हमारी संसद का नया भवन है।

इसे कुछ ही सप्ताह पहले हमारे प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्र को समर्पित किया था। यह भवन हमारी सांस्कृतिक विविधता का, आत्मसम्मान का, हमारे सशक्त लोकतान्त्रिक मूल्यों एवं नए भारत की आकांक्षाओं का सजीव प्रतीक है।

भारत की संस्कृति “वसुधैव कुटुंबकम” पर आधारित है। हम सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार की तरह मानते हैं। सभी का कल्याण हमारा उद्देश्य है। इसी विचार के अनुसार हम यह चिंतन करें कि मंगोलिया के सामाजिक आर्थिक विकास में किस प्रकार हमारा योगदान हो सकता है।

हमारा मानना है कि हमारे लोकतान्त्रिक मूल्य और बौद्ध धर्म हमारी साझी विरासत हैं, जिन्हें निरंतर मजबूत करने की आवश्यकता है। जैसे जैसे हमारे संबंध और घनिष्ठ होंगे, हमारे बीच सहयोग के नए आयाम खुलेंगे।

भारत और मंगोलिया के बीच बढ़ता संबंध आपके लिए नया अवसर लेकर आएगा, नई चुनौतियाँ लेकर आएगा। आपके पास टैलेंट है, अपने स्किल की ताकत है और साथ ही अपने कल्चरल वैल्यूज भी हैं। ये वैल्यूज आपको यहाँ लोगों के साथ घुल मिलकर रहने में बड़ी भूमिका निभाते हैं।

आप जीवंत उदाहरण हैं कि कैसे हम विदेश में रहते हुए भी अपनी जड़ों पर गर्व करते रहें, जड़ों से जुड़े रहें।

मैं आप सभी को शुभकामनाएं देता हूं और भारत और मंगोलिया के लोगों की प्रगति और समृद्धि तथा दोनों देशों के बीच मैत्री और सहयोग की कामना करता हूं।